हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 24 | देहरादून, मंगलवार, 12 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

भूस्खलन से सड़कें न हों बंद, मंत्री सतपाल महाराज ने दिए अलर्ट रहने के निर्देश

3

इंतज़ार खत्म : आज से राज्य में लागू होगी नई शिक्षा नीति

मुख्यमंत्री बालवाटिकाओं का उद्घाटन कर करेंगे एनईपी का शुभारम्भ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में आज 12 जुलाई को नई शिक्षा नीति लागू कर दी जायेगी। राज्य में सर्वप्रथम विद्यालयी शिक्षा के अंतर्गत प्राइमरी एजुकेशन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को शुरू किया जायेगा। जिसकी तैयारी विद्यालयी शिक्षा विभाग ने पूरी कर दी है। आज शिक्षा महानिदेशालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बालवाटिकाओं का उद्घाटन कर सूबे में नई शिक्षा नीति का विधिवत शुभारम्भ करेंगे। इसके साथ ही उत्तराखंड एनईपी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन जायेगा। राज्य के समस्त जनपदों में विकासखंड स्तर पर चिन्हित को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केन्द्रों में वृहद रूप से बालवाटिकाओं का क्षेत्रीय विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उद्घाटन करेंगे, जिसमें शिक्षाविद्, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। इसके साथ ही प्रथम चरण में शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों में संचालित पांच हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों में बालवाटिका कक्षाओं का संचालन शुरू हो जायेगा।

ब्लॉक स्तर पर विधायक व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में होगा उद्घाटन

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने बताया कि आज मंगलवार को सूबे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू कर दिया जायेगा। राज्य में नई शिक्षा नीति का शुभारम्भ शिक्षा महानिदेशालय, देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया जायेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री बालवाटिकाओं का विधिवत उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही उत्तराखंड एनईपी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन जायेगा। उन्होंने कहा कि विकासखंड स्तर पर क्षेत्रीय विधायक एवं स्थानीय जनप्रनिधियों की मौजूदगी में चिन्हित को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केन्द्रों में बालवाटिकाओं का शुभारम्भ किया जायेगा। जिसमें शिक्षाविद्, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहेंगी। डॉ0 रावत ने बताया कि राज्य में बीस हजार से अधिक आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। जिसमें से प्रथम चरण में शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में संचालित पांच हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों में एनईपी के तहत बालवाटिका कक्षाओं का संचालन शुरू किया जायेगा। उन्होंने बताया कि सूबे में 20 हजार 67 आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत हैं, जिसमें से 20 हजार 17 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित किये जा रहे है, जिनमें 14555 आंगनबाड़ी कार्यी र्कायां तैनात है। इसके अलावा आंगनबाडी केन्द्रों में 14249 सहायिकाएं एवं 4941 मिनी आंगनबाडी कार्यी र्कायां नियुक्त हैं। डॉ0 रावत ने बताया कि राज्य में प्री-प्राइमरी स्तर पर बालवाटिकाओं में बच्चों को एनईपी के प्रावधानों के तहत पढ़ाया जायेगा। जिसके के लिये पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा आंगनवाडी कार्यी र्कायों एवं शिक्षकों के लिये हस्तपुस्तिका, बच्चों के लिये तीन अभ्यास पुस्तिका स्वास्थ्य, संवाद एवं सृजन तैयार की गई है।

■ प्रथम चरण में पांच हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों में शुरू होगी बालवाटिकाएं

डॉ0 रावत ने बताया कि सूबे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू किये जाने को लेकर विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि बालवाटिका कक्षाओं के शुभारम्भ अवसर पर मुख्यमंत्री के द्वारा प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय के नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया जायेगा। इसके साथ ही एससीईआरटी के भवन का शिलान्यास भी किये जायेगा। डॉ0 रावत ने बताया कि कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिये विभागीय अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं।

दून में झमाझम बारिश, ऋषिकेश में चेतावनी के निशान के करीब पहुंचा गंगा का जलस्तर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। दोपहर बाद मौसम ने करवट बदली और झमाझम बारिश हुई। वहीं, पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही लगातार बारिश के चलते तीर्थ नगरी ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर घट-बढ़ रहा है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक सोमवार सुबह 8:00 बजे गंगा का जलस्तर 338.51 मीटर, दोपहर 12:00 बजे 338.50 और दोपहर 2:00 बजे तक गंगा का जलस्तर 338. 3 4 मीटर दर्ज किया गया। जो चेतावनी रेखा 339.50 से 1.16 मीटर नीचे है।

वहीं दो दिन से बंद फूलों की घाटी को जोड़ने वाला मार्ग सोमवार सुबह खुल गया है। जिसके बाद घाटी मे आवाजाही शुरु हो गई है। भारी बारिश के चलते रास्ता दो स्थानों पर बंद था। रास्ता खुलने के बाद 145 पर्यटक फूलों की घाटी के लिए रवाना हुए। वहीं, रविवार रात से बंद बदरीनाथ हाईवे भी आवाजाही के लिए खुल गया है।

प्रदेश में बारिश के साथ चटक धूप खिलने पर भी पहाड़ियों से मलबा और बोल्डर गिरने का सिलसिला जारी है। इसके चलते रविवार

को प्रदेश में एक राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 254 सड़कें बंद हो गईं। जबकि इनमें से मात्र 63 सड़कों को ही खोला जा सका है।

रविवार को बारिश के चलते हुए भूस्खलन के कारण रुद्रप्रयाग में एनएच 107 चमोली से चौपता के बीच एक बार फिर बंद हो गया। एक दिन पहले भी यह मार्ग बंद हो गया था। लेनिवि ने जेसीबी मशीनें लगाकर मार्ग को खोला था, लेकिन दोपहर बाद मार्ग फिर बंद हो गया।

इसके अलावा प्रदेश के 18 राज्य स्तरीय मार्ग, 11 जिला मुख्य मार्ग, सात अन्य जिला मार्ग, 89 ग्रामीण सड़कें और 128 पीएमजीएसवाई की सड़कें बंद हो गईं। सड़कों को खोलने के काम में 268 जेसीबी मशीनों को लगाया गया था। लोनिवि की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार रविवार शाम पांच बजे तक 63 सड़कों को खोलने में ही कामयाबी मिल पाई थी।

हरिद्वार आने वाले शिवभक्तों के लिए पुलिस ने जारी की वेबसाइट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कांवड़ लेने के लिए हरिद्वार आने वाले शिव भक्तों के पंजीकरण के लिए उत्तराखंड पुलिस ने वेबसाइट जारी की है। पुलिस ने कांवड़ियों से अपील की कि वह असुविधा से बचने के लिए यात्रा पर आने से पहले पंजीकरण कर लें।

कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में शिवभक्त धर्मनगरी पहुंचते हैं। यहां से वह ऋषिकेश समेत केदारनाथ व बदरीनाथ धाम की यात्रा पर भी जाते हैं। इसके साथ ही यात्री नीलकंठ महादेव मंदिर में भी दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। दो साल से कोरोना संक्रमण के चलते प्रतिबंधित रही कांवड़ यात्रा में इस बार बड़ी संख्या में कांवड़ियों के आने का अंदाजा लगाया जा रहा है।

कांवड़ियों की संख्या का अनुमान लगाने के लिए उत्तराखंड पुलिस ने चारधाम यात्रा की तरह ही श्रावण मास की कांवड़ यात्रा में आने वाले कांवड़ियों से पंजीकरण करने की अपील की है। इसके लिए इसके लिए उत्तराखंड पुलिस ने वेबसाइट भी जारी की है। कांविड़यों को https://policecitizenportal.uk.gov.in/Kavad वेबसाइट पर अपना पंजीकरण करना होगा।

पंजीकरण कराने के लिए मात्र तीन आसान स्टेप अपनाने हैं। जिसमें सबसे पहले वेबसाइट को खोलना है। वेबसाइट खुलने के बाद अपना मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड होने के बाद एसएमएस से ओटीपी मिलेगा। उसे मोबाइल में दर्ज करना होगा और इसके बाद मांगा गया पूरा विवरण कांविड़यों को भरने के बाद पंजीकरण का बटन दबाना है। जिसके बाद पूरी जानकारी दर्ज हो जाएगी।

पहाड़ों में क्यों फटता है बादल, जानिए इस खबर में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आए दिन हम खबर बादल फटने की घटनाओं से होने वाले जानमाल की हानि से जुडी खबरें पढ़ते हैं लेकिन अक्सर लोग जानना चाहते हैं कि आखिर बादल फत्ते क्यों हैं ? उनके फटने की मुख्य वजह क्या है ? न्यूज़ वायरस टीम आपके इन्हीं सवालों का जवाब इस खबर में दे रहा है।

बादल फटना क्या होता है ?

बादल फटना बारिश का एक चरम रूप है। स्पष्ट रूप से कहे तो बादल फटने का अर्थ है अत्यधिक मात्रा में बारिश इस घटना में बारिश के साथ कभी कभी गड़गड़ाहट के साथ ओले भी पड़ते हैं। आम तौर पर कुछ मिनट तक की मूसलाधार बारिश को बादल फटना कहा जाता है। बादल फटना इसलिए बोलते है क्योंकि इस दौरान इतना पानी बरसता है कि क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। बादल फटने की घटना आमतौर पर पृथ्वी से 15 किलोमीटर की ऊंचाई पर घटती है। इसके कारण होने वाली वर्षा लगभग 100 मिलीमीटर प्रति घंटा की गति से होती है। कुछ ही मिनट में 2 सेंटीमीटर से अधिक वर्षा हो जाती है, जिस कारण भारी तबाही होती है। इसलिए बादल फटने के ज्यादा खबर पहाड़ी इलाको से ही अति है।

केदारनाथ , अमरनाथ जैसी जगहों और पहाड़ी इलाको में ही क्यों बादल फटा जाता है ?

इसका कारण यह है कि पहाड़ी क्षेत्रों में कभी-कभी बारिश में गाढ़ापन हो जाता है, जिस कारण बदल तर-बतर हवा के बहुत गर्म प्रवाह के ऊपर की ओर नहीं बढ़ पाते जिस कारण वह नीचे ही रेह जाते है और मौजूदा वर्षा की बूँदें आकार में बढ़ जाती हैं। एक बिंदु के बाद, बारिश की बूँदें इतनी भारी हो जाती हैं कि बादल अपने ऊपर टिके नहीं रह पाता और वे एक साथ झटपट नीचे गिर जाती हैं।

2020 में प्रकाशित एक अध्ययन ने केदारनाथ क्षेत्र में बादल फटने के पीछे के मौसम संबंधी कारकों की जांच की, जहां एक बादल फटने से 2013 की विनाशकारी बाढ़ में मदद मिली। इसमें पाया गया कि बादल फटने के दौरान कम तापमान और धीमी हवाओं के साथ सापेक्षिक आर्द्रता और बादलों का आवरण अधिकतम स्तर पर था। टीम ने लिखा, ₹यह उम्मीद की जाती है कि इस स्थिति के कारण बहुत अधिक मात्रा में बादल बहुत तेजी से संघनित हो सकते हैं और इसके परिणामस्वरूप बादल फट सकते हैं।

26 रुपये में पहुंचे वियतनाम जी हां अपने सही सुना, जाने पूरी खबर

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नहीं नहीं .. आपको अपनी आँखें मसलने की जरूरत नहीं है। अपने सही पढ़ा है, सिर्फ 26 रुपय में अब आप जा सकते है, वियतनाम (VIETNAM). दक्षिण पूर्व एशिया का खूबसूरत देश वियतनाम, भारत के साथ अच्छे संबंधों के लिए जाना जाता है. दोनों देशों के कल्चर और आर्थिक संबंध दूसरी शताब्दी से भी पुराने हैं. ये एक सुंदर देशों में से एक है।

वियतनाम की VietJet एयरलाइंस ने निकाला है. ये शानदार ऑफर 26 रुपये में पहुंचे वियतनाम, VietJet एयरलाइंस कंपनी सिर्फ 9,000 वियतनामी डोंग (VND) के एयर फेयर पर टिकट ऑफर लेकर आई है. यानि भारतीय मुद्रा के मुकाबले सिर्फ़ 25 से 30 रुपये, दरसल वियतनामी मुद्रा का मूल्य भारतीय मुद्रा के मुकाबले काफी कम है। एयरलाइंस का ये ऑफर सभी डोमेस्टिक और इंटरनेशनल रूट की फ्लाइट के लिए है.

अब हम आपको बता देते है ये ऑफर कितने समय के लिए सीमित है, ये ऑफर इंडियन पैसेंजर के लिए सितंबर से शुरू होगा. इसका फायदा उठाने के लिए आपको 13 जुलाई तक टिकट कटाना होगा. जबकि आप ट्रैवल के लिए 26 मार्च 2023 के बाद का समय चुन सकते हैं. आप नई दिल्ली और मुंबई से वियतनाम के ₹हनोई, हो ची मिन्ह सिटी₹ के लिए टिकट बुक करा सकते हैं.

हाल ही में इंडिया से 5 नए इंटरनेशनल रूट पर VietJet एयर सर्विस शुरू की हैं. इसमें दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, अहमदाबाद और बेंगलुरू को डा नांग शहर से जोड़ा गया है. जबकि उसकी 4 एयर रूट पर सर्विस पहले से है. इसमें दिल्ली और मुंबई से हनोई और हो ची मिन्ह सिटी की सर्विस शामिल है

आप नेता जोट सिंह बिष्ट का खेला दो बड़े नेताओं को कांग्रेस से तोड़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कांग्रेस छोड़कर आए नेताओं को दिल्ली में दिलाई सदस्यता, कहा जल्द पार्टी का मजबूत संगठन होगा खड़ा: जोत सिंह बिष्ट, प्रदेश संगठन समन्वयक, आप

कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद पूर्व कांग्रेस प्रवक्ता डॉक्टर आरपी रतूड़ी और कांग्रेस की पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रही कमलेश रमन के साथ आईटी विशेषज्ञ कुलदीप चौधरी ने आज दिल्ली में आम आदमी पार्टी के उत्तराखंड प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट की अगुवाई में आम आदमी पार्टी ज्वाइन कर ली।दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में उत्तराखंड के आम आदमी पार्टी के प्रभारी दिनेश मोहनिया ने तीनों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान मनीष सिसोदिया ने तीनों नेताओं का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि उनके आने से पार्टी को बहुत लाभ मिलेगा और उनके अनुभव से पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को बल मिलेगा।

डॉक्टर आरपी रतूड़ी ,कमलेश रमन और कुलदीप चौधरी कांग्रेस में कई वरिष्ठ पदों पर रहते हुए कांग्रेस की कई सालों से सेवा कर रहे थे ,लेकिन पार्टी में आपसी गुटबाजी से आजिज आकर उन्होंने कांग्रेस को हमेशा के लिए अलविदा कहकर आज दिल्ली में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी दिनेश मोहनिया ने आम आदमी पार्टी में शामिल हुए तीनों नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि आज भी लोग अरविंद केजरीवाल जी और आम आदमी पार्टी की नीतियां पर भरोसा कर रहे हैं और बहुत जल्द पार्टी उत्तराखण्ड में एक मजबूत संगठन खड़ा करेगी। उन्होने उम्मीद जताई कि पार्टी में शामिल हुए तीनों नेताओं का अनुभव पार्टी को मजबूती प्रदान करेगा। उन्होने पुनः सभी नेताओं को पार्टी में शामिल होने पर शुभकामना दी।

भूस्खलन से सड़कें न हों बंद, मंत्री सतपाल महाराज ने दिए अलर्ट रहने के निर्देश

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में रुक रुक कर ही सही लेकिन तेज़ बारिश ने कहर सी मचानी शुरू कर दी है। मौसम विभाग की मानें तो फिलहाल पर्वतीय जिलों को बारिश से राहत नहीं मिलेगी। कभी चटक धूप निकलने से लोग भ्रमित हो गए है... तो कभी तेज़ बारिश से परेशान। इन सबके बीच यात्रा भी चल रही है और प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज भी अधिकारियों को अलर्ट पर रहने के लगातार निर्देश दे रहे हैं। हालांकि मौसम की इस बारिश में 13 जिलों में से शायद ही कोई ऐसा जिला होगा जहां भूस्खलन के कारण सड़कें बंद न हुई हों.... सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गढ़वाल से लेकर कुमाऊं तक 1721 किलोमीटर लंबाई की लगभग 220 सड़कें बंद हैं... जिनमें से विभाग ने 40 से ज्यादा सड़कों को लगभग खोल दिया है, बाकी सड़कें 2 दिन से बंद पड़ी हुई हैं... अगर समय से रहते इन सड़कों को नहीं खोला गया तो आने वाले दिनों में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है....

रुद्रप्रयाग में एनएच 107 बंद पड़ी है... चमोली से चोपता जाने वाले बंद मार्ग को खोलने की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है... एक आंकड़े के मुताबिक मौजूदा समय में प्रदेश के 18 राज्य स्तरीय मार्ग बंद पड़े हैं, जबकि 11 जिला मुख्यालयों के मार्ग पूरी तरह से बंद हैं. अन्य जिलों के मार्गों की बात करें जो मुख्यालयों से गांवों को जोड़ते हैं उनकी संख्या भी 80 है, जो सभी बंद पड़े हैं. पीएमजीएसवाई की बंद सड़कों की संख्या भी 112 बताई जा रही है. सबसे अधिक 1721 किलोमीटर की सड़कें फिलहाल राज्य में बंद पड़ी हैं. जिन्हें खोलने का काम तेजी से किया जा रहा है....

सड़कें बंद होने की वजह से चारधाम यात्रा पर भी इसका असर देखा जा रहा है. बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री जाने वाले यात्रियों को कई बार बीच रास्ते में ही रोका जा रहा है. लामबगड़ में मलबा आने की वजह से लगभग 1030 यात्रियों को पांडुकेश्वर और गोविंद घाट पर रोका गया है. केदारनाथ पैदल जाने वाले यात्रियों को भी कई बार नाले में अधिक पानी आने की वजह से रोका जा रहा है. चारधाम यात्रियों की संख्या में भी बरसात के सीजन के कारण गिरावट देखी जा रही है...

उत्तराखंड में बारिश से लगातार नुकसान तो हो ही रहा है साथ ही साथ पर्यटन पर भी इसका असर पड़ रहा है. बारिश ने यात्रियों की संख्या पर रोक लगा दी है... स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटक भी बारिश के कारण परेशान हो रहे हैं...

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने जानकारी देते हुए बताया है कि उत्तराखंड में सड़कों का बंद होना यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है... पहाड़ों में लगातार बारिश होती है... जिसकी वजह से पहाड़ नीचे खिसकते हैं... जिसके कारण भूस्खलन होता... तब रास्ते बंद हो जाते हैं... साल दर साल हमने इन सभी समस्याओं से निपटने के लिए अपने संसाधनों में बढ़ोत्तरी की है... मौजूदा समय में 250 से अधिक जेसीबी और 500 से ज्यादा बड़े वाहन सड़क खोलने का काम कर रहे हैं... पीडब्ल्यूडी के अधिकारी हो या आपदा प्रबंधन विभाग के कर्मचारी लगातार समन्वय बनाकर बंद सड़कों को खोलने में लगे हैं... सतपाल महाराज ने कहा कि हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि चारधाम मार्ग पर यात्रियों को किसी भी दिक्कत का सामना ना करना पड़े. उन्होंने कहा कि सड़कें सामरिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण हैं. अगर चमोली और उत्तरकाशी जाने वाली सड़कें बंद होती हैं तो इसका असर सेना की मूवमेंट पर भी पड़ता है. इसलिए राष्ट्रीय राजमार्ग अधिक देर तक बंद ना हों इसके लिए राज्य सरकार पूरे प्रयास कर रही है...

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू उत्तराखंड पहुंची, टीम भाजपा ने किया ज़ोरदार स्वागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के उत्तराखंड आगमन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया और बधाई दी। इसके बाद द्रौपदी मुर्मू एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून कलेक्ट्रेट स्थित शहीद स्थल जाकर शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी। इसके उपरान्त द्रौपदी मुर्मू एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में उत्तराखण्ड के सांसदगणों एवं विधायकगणों के साथ बैठक में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भाजपा के प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम, सह प्रभारी रेखा वर्मा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, सांसदगण एवं विधायकगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी का मत्स्य पालको की समृद्धि का स्वप्न साकार करेंगे : सौरभ बहुगुणा

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मजबूत आत्मविश्वास ... शानदार निर्णय ... प्रभावशाली कार्यशैली और विभाग के नियंत्रण में गज़ब का कौशल ... उत्तराखंड के धामी सरकार में शामिल सबसे युवा कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के कामकाज को देख कर ये अंदाज़ा लगा पाना किसी के लिए भी मुश्किल हो सकता है कि उन्होंने अभी कुछ दोनों पहले ही पहली बार मंत्री पद सम्हाला होगा।

गणना किसानों को भुगतान हो या चीनी मिलों का मोर्डनाइज़ेशन , दुग्ध उत्पादकों की आमदनी बढ़ाने की योजनाएं हों या रोज़गार के नए अवसरों का सर्जन करता आदेश , आँचल डेयरी की ब्रांडिंग और अब मत्स्य पालकों की समृद्धि का संकल्प .... कई विभागों की ज़िम्मेदारियों को बेहतरीन तालमेल के साथ नयी सोच और तेज़ गति से योजनाओं को आगे बढ़ा रहे पशुपालन दुग्ध और मत्स्य पालन विभाग के मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा है कि है हौसला बढ़ाने के लिए उन्हें सम्मानित किया जा रहा है योजनाओं को पहाड़ के हर कोने तक पहुँचाया जा रहा है जिससे आने वाले 5 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक सपना है मत्स्य पालक में लोगों को अच्छा रोजगार मिले उसको उत्तराखंड सरकार साकार कर सके।

इसके पहले एक कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि रोजगार केवल सरकारी नौकरी से पूरा नहीं होगा मत्स्य पालन जैसे स्वरोजगार से लोगों को रोजगार मिलेगा। सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का सपना है चाहे मत्स्य पालन के क्षेत्र में हो, कृषि के क्षेत्र में हो सभी योजनाओं को धरातल पर उतारना है।

प्रदेश में मत्स्य पालन को बढ़ावा और इस रोज़गार से जुड़े लोगों को सुविधाएं देने के लिए मुख्यमंत्री ने मत्स्य निदेशालय, बड़ासी ग्रांट, देहरादून में स्थापित होने वाले मत्स्य प्रसंस्करण यूनिट का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने हेतु प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की तर्ज पर मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना प्रारंभ की जायेगी। मत्स्य पालन को कृषि का दर्जा देते हुए मत्स्य पालन में लगने वाली विद्युत दरों को कृषि दरों पर निर्धारित किया जायेगा। गढ़वाल एवं कुमाऊं में मत्स्य पालकों की सुविधा हेतु मत्स्य मंडी की स्थापना किए जाने की घोषणा भी मुख्यमंत्री द्वारा की गई।

आपको बता दें कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 2025 विजन को साकार करने में युवाओं को रोज़गार , किसानों की समृद्धि , महिला समूहों की स्वरोज़गार में आत्मनिर्भरता की बेहद अहम भूमिका होने जा रही है। यही वजह है कि कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा रोज़ाना सभी सम्बंधित विभागों की योजनाओं की मॉनिटरिंग करते हैं साथ ही साथ फील्ड में दौरे करते हुए उन योजनाओं की प्रगति का जायज़ा भी लेते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि जब प्रदेश 2025 में अपनी उपलब्धियों की और देखेगा तो कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा की भूमिका को लोग ज़रूर सराहेंगे।

क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए सीएम से मिली स्पीकर ऋतू खंडूरी भूषण

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने विशेष तौर पर अग्निपथ योजना के अंतर्गत 19 अगस्त से उत्तराखंड में होने वाली अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया का शुभारंभ कोटद्वार से किए जाने की बात कही। मुख्यमंत्री आवास पर मुलाकात के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोटद्वार में अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया को वृहद रूप दिया जाना चाहिए जिससे अधिक से अधिक संख्या में प्रदेश के युवा अपने सपनों को साकार करते हुए अग्निपथ योजना से जुड़ सकें।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों को लेकर मुख्यमंत्री से वार्ता की जिसमें कोटद्वार क्षेत्र में पुरानी पेयजल लाइनों को बदले जाने, कृषि भूमि व आवासीय भवनों के ऊपर से 11व 32 केवी हाईटेंशन लाइनों को शिफ्ट किए जाने, सिंचाई गूलों की मरम्मत एवं नई गूलों के निर्माण, मुख्य सड़क मार्गों का निर्माण, कलालघाटी स्थित राजकीय इंटर कॉलेज का नाम शहीद लांस नायक धनवीर सिंह राणा किए जाने सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के बारे में बातचीत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी विषयों पर उचित कार्यवाही को लेकर विधानसभा अध्यक्ष को आश्वस्त किया।

सोमवार को सचिवालय जा सकेंगे फरियादी, अफसरों के लिए आदेश जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में अब सचिवालय आम जनता के लिए भी खुलेगा , आम फरियादी भी कर सकेगा अधिकारियों से सीधे मुलाक़ात और वो भी बहुत आसान प्रक्रिया से ... जी हाँ अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी द्वारा ज़ारी किया गया आदेश कहता है कि प्रत्येक सोमवार को , अवकाश को छोड़कर सचिवालय में अधिकारियों को जनता से मिलना निर्धारित किया गया है। जो लोग अपनी समस्या और अन्य ज़रूरी काम से सचिवालय में जाना चाहते हैं अब वो सामान्य तरीके से पास बनवा कर सोमवार को निर्धारित समय पर मुलाकात कर अपनी बात कह सकेंगे। यही नहीं अगर सम्बंधित अधिकारी अपने संज्ञान से पास जारी करते हैं या मुलाकत करने वाले शख्स द्वारा आधार कार्ड , वोटर आईडी कार्ड दिखाया जाता है तब विशेष परिस्थिति में सचिवालय में प्रवेश दिया जा सकेगा।

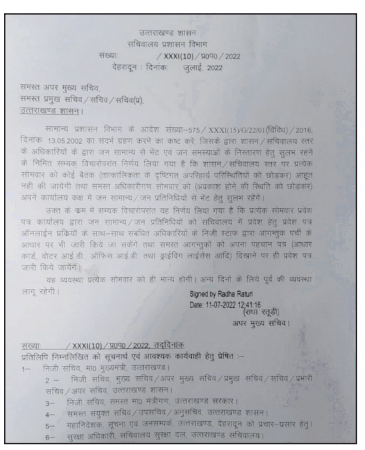

उत्तराखण्ड शासन
सचिवालय प्रशासन विभाग
संख्याः /XXXI(10)/प्र0प0/2022
देहरादून : दिनांकः जुलाई, 2022

समस्त अपर मुख्य सचिव,
समस्त प्रमुख सचिव/सचिव/सचिव(प्र),
उत्तराखण्ड शासन।

सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश संख्या–575/XXXI(15)/G/22/01(विविध)/2016, दिनांकः 13.05.2002 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा शासन/सचिवालय स्तर के अधिकारियों के द्वारा जन सामान्य से भेंट एवं जन समस्याओं के निस्तारण हेतु सुलभ रहने के निमित सम्यक् विचारोपरांत निर्णय लिया गया है कि शासन/सचिवालय स्तर पर प्रत्येक सोमवार को कोई बैठक (तात्कालिकता के दृष्टिगत अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर) आहूत नही की जायेगी तथा समस्त अधिकारीगण सोमवार को (अवकाश होने की स्थिति को छोड़कर) अपने कार्यालय कक्ष में जन सामान्य/जन प्रतिनिधियों से भेंट हेतु सुलभ रहेंगें।

उक्त के कम में सम्यक विचारोपरांत यह निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक सोमवार प्रवेश पत्र कार्यालय द्वारा जन सामान्य/जन प्रतिनिधियों को सचिवालय में प्रवेश हेतु प्रवेश पत्र ऑनलाईन प्रकियों के साथ–साथ संबधित अधिकारियों के निजी स्टाफ द्वारा आगन्तुक पर्ची के आधार पर भी जारी किये जा सकेंगें तथा समस्त आगन्तुकों को अपना पहचान पत्र (आधार कार्ड, वोटर आई.डी., ऑफिस आई.डी. तथा ड्राईविंग लाईसेंस आदि) दिखाने पर ही प्रवेश पत्र जारी किये जायेंगें।

यह व्यवस्था प्रत्येक सोमवार को ही मान्य होगी। अन्य दिनो के लिये पूर्व की व्यवस्था लागू रहेगी।

Signed by Radha Raturi
Date: 11-07-2022 12:41:16
(राधा रतूड़ी)
अपर मुख्य सचिव।

संख्याः /XXXI(10)/प्र0प0/2022, तद्दिनांक
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–
1– निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2 – निजी सचिव, मुख्य सचिव/अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव/प्रभारी सचिव/अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3– निजी सचिव, समस्त मा0 मंत्रीगण, उत्तराखण्ड सरकार।
4– समस्त संयुक्त सचिव/उपसचिव/अनुसचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5– महानिदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क, उत्तराखण्ड, देहरादून को प्रचार–प्रसार हेतु।
6– सुरक्षा अधिकारी, सचिवालय सुरक्षा दल, उत्तराखण्ड सचिवालय।

तीरंदाज़ी : वो भी पैरों से, कमाल की है ये महिला खिलाडी

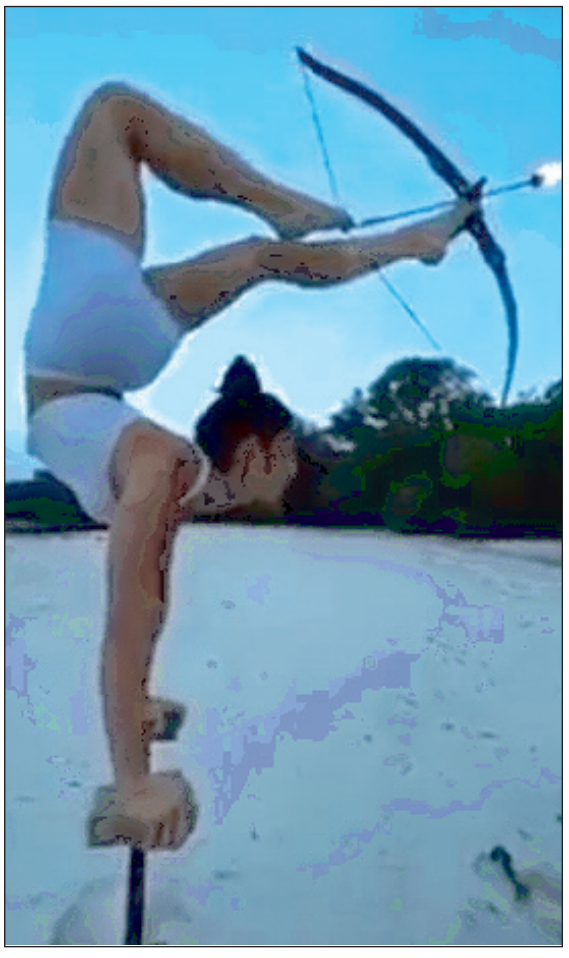

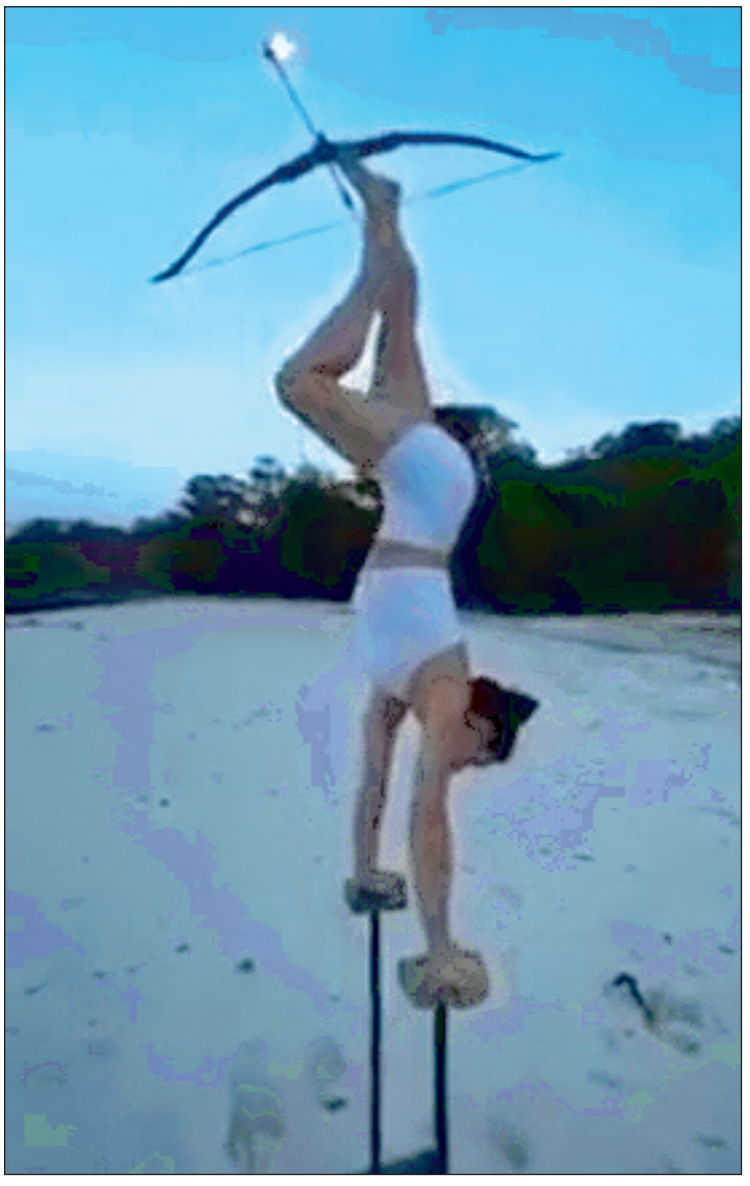

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कहते हैं लगातार अभ्यास करते रहने से असंभव से असंभव काम भी संभव हो जाता है. योग भी हमारी ज़िंदगी में ऐसा ही अभ्यास है, जिसके ज़रिये शरीर को न सिर्फ स्वस्थ रखा जा सकता है बल्कि इसे अपने मुताबिक चलाया भी जा सकता है. इस वक्त एक महिला तीरंदाज का ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो अपने शरीर और दिमाग का ऐसा संतुलन बनाए हुए है कि हाथों के बजाय पैरों से ही सटीक निशाना लगा देती है... हरियाणा योग परिषद के चेयरमैन डॉक्टर जयदीप आर्य ने ये वीडियो शेयर किया जिसमें एक महिला तीरंदाज योग की मुद्रा कठिन मुद्रा में निशाना लगाते दिख रही है. ये वीडियो देखकर लोग महिला तीरंदाज की प्रतिभा और मुद्राओं के अभ्यास पर चकित हैं.

लोगों ने खूब पसंद किया वीडियो

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला तीरंदाज के दोनों हाथ नीचे हैं और वो एक बेस पर इन्हें रखकर बैलेंस बना रही है. देखते ही देखते वो शीर्षासन की मुद्रा में शानदार संतुलन बनाते हुए दोनों पैरों को ऊपर ले जाती है. यहां महिला के एक पैर में धनुष है जिस पर तीर लगा हुआ है. तीर में आगे की तरफ आग जल रही है और वो दूसरे पैर से धनुष की डोरी को खींचती है. दिलचस्प बात ये है कि लक्ष्य को टारगेट करते हुए वह धनुष से बाण जैसे ही छोड़ती है, तीर सीधा जाकर निशाने पर लगता है.

वीडियो को शेयर करते हुए डॉक्टर जयदीप आर्य ने लिखा है - कुशलता..... इसके साथ ही उन्होंने योग को कुशलता का साधन बताया है. वीडियो की लोकेशन या महिला तीरंदाज के बारे में तो कोई जानकारी नहीं है लेकिन 10 जुलाई को शेयर किए गए इस वीडियो को अब तक 3 लाख से भी ज्यादा लोग देख चुके हैं, जबकि 19 हज़ार से भी ज्यादा लोगों ने इसे पसंद किया है. इस पर कमेंट करते हुए लोगों ने महिला के कौशल की तारीफ की है. बहुत से लोगों ने महिला की तुलना महान धनुर्धर माने जाने वाले अर्जुन से भी कर दी है.

निर्माण कार्यों में अब नई टेक्नोलॉजी सीखेंगे सभी विभाग : सतपाल महाराज

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- कब्रिडकुल के 55 कर्मचारी होंगे नियमित - महाराज
- नई तकनीकि की जानकारी के लिए सभी विभागों को साथ लेकर करें सेमिनार

देहरादून। प्रदेश के लोक निर्माण, सिंचाई, पर्यटन, पंचायती राज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने ब्रिडकुल में 2012 से कार्यरत 55 कर्मचारियों को नियमित करने के आदेश देते हुए निर्माण कार्यों में नई तकनीकी की जानकारी और उसके क्रियान्वयन हेतु सेमिनार आयोजित करने के भी अधिकारियों को निर्देश दिये।

प्रदेश के लोक निर्माण, सिंचाई, पर्यटन, पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज ने विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में ब्रिज, रोपवेज, टनल एंड अदर इन्फ्रास्टेक्चर डेवलपमैंट, कारपोरेशन ऑफ उत्तराखंड लिमिटेड (ब्रिडकुल) के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होने ब्रिडकुल अधिकारियों को आदेशित किया कि वह 2012 से कार्यरत सभी 55 कर्मचारियों को नियमित करें और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता लाने के लिए नई टेक्नोलॉजी का प्रयोग करें।

कैबिनेट मंत्री महाराज ने कहा कि निर्माण कार्यों में नई टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल और उसकी जानकारी के लिए ब्रिडकुल, लोक निर्माण, ग्रामीण निर्माण, सिंचाई, पर्यटन और पीएमजीएसवाई सभी साथ मिलकर एक सेमिनार आयोजित करें।लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने समीक्षा बैठक के दौरान जानकारी दी कि ब्रिडकुल के माध्यम से विभिन्न जनपदों में अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं कार्य चल रहा है। ब्रिडकुल द्वारा राज्य में विभिन्न विभागों जिनमें लोक निर्माण विभाग (सीआरएस), पर्यटन, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा, पंचायती राज, नागरिक उड्डयन, सेवायोजन व प्रशिक्षण तथा पीएमजीएसवाई की कई परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। उन्होने बताया कि

विगत वर्षों में ब्रिडकुल द्वारा भवन, सड़क, सेतु व हवाई पट्टी के लगभग 445.80 करोड़ की लागत की परियोजनाओं को पूरा किया गया।कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि ब्रिडकुल ने नैनी सैनी हवाई पट्टी का निर्माण तथा करोना कॉल में 200 बैडेड हॉस्पिटल का निर्माण कार्य करने के साथ-साथ विगत 2 वर्षों में पीएमजीएसवाई के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक की लागत की सड़कों का निर्माण कार्य भी किया। उन्होने यह भी बताया कि ब्रिडकुल द्वारा खाद्य आयुक्त कार्यालय भवन, देहरादून को राज्य के पहले हरित भवन (Svagriha Rating) के रूप में भी निर्मित किया है। समीक्षा बैठक में ब्रिडकुल के प्रबंध निदेशक कुंदन सिंह, महाप्रबंधक राजेंद्र प्रसाद उनियाल, लोक निर्माण विभाग प्रमुख अभियंता अयाज अहमद, सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता मुकेश मोहन सहित अनेक विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

सेहत की बात में जानिए बरसात में मलेरिया से बचने के 6 प्रभावी घरेलू उपचार

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मच्छर का काटना आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है, खासकर अगर हमडेंगू और मलेरिया जैसी खतरनाक बीमारियों पर ध्यान दें. मलेरिया दुनिया भर में सब से घातक और व्यापक बीमारियों में से एक है. यह मुख्य रूप से संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से होता है. जब कोई मच्छर आपको काटता है तो परजीवी आपके शरीर में इंजेक्शन लगाता है और फिर यह आपके रक्त प्रवाह में तेजी से फैलता है, और यहां तक कि आपके लीवर तक भी जाता है.मलेरिया के इलाज के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है, लेकिन इस घातक बीमारी के प्राकृतिक उपचार, रोकथाम और सावधानियों को जानना जरूरी है.

मलेरिया के लक्षण आमतौर पर 10 दिनों से 4 सप्ताह में दिखने लगते हैं और फिर संक्रमण हो जाता है. कुछ लोगों में, लक्षण कुछ महीनों तक विकसित भी नहीं हो सकते हैं. मलेरिया के सामान्य लक्षणों में सिरदर्द, तेज बुखार, कंपकंपी, पेट में दर्द, उल्टी, मतली, दस्त और एनीमिया शामिल हैं.

एक कप तुलसी की चाय स्ट्रेस और हाई ब्लड शुगर लेवल को करेगी डाउन, जानें इस नेचुरलटी के फायदे और नुकसान

मलेरिया से लड़ने के लिए घरेलू उपचार -----

1. खट्टे फल - खट्टे फलों को इस के लाभकारी गुणों के कारण इम्यूनिटी-बूस्टर भी कहा जाता है. इनमें मौजूद विटामिन सी बुखार को नियंत्रित करने में मदद करता है, और संक्रमण को फैलने से भी रोकता है और शरीर को जल्दी ठीक होने के लिए प्रेरित करता है. अंगूर, संतरा, नींबू और ब्लैकबेरी जैसे खट्टे फल आपके शरीर को ये सप्लीमेंट प्रदान करते हैं.

2. अदरक – अदरक भी मलेरियाके लिए बेहद मददगार घरेलू उपचार है. अदरक को पानी के साथ उबाला जा सकता है और फिर इसे एक स्वादिष्ट मिश्रण में बदल दिया जा सकता है जो निश्चित रूप से इस बीमारी सेजल्दी ठीक होने में मदद करेगा. अदरक की जीवाणुरोधी प्रकृति यह सुनिश्चित करती है कि रोग न फैले. अदरक में एंटीमाइक्रोबियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो दर्द और मतली जैसे लक्षणों से राहत दिला सकते हैं

3. हल्दी – हल्दी अद्भुतएंटी-ऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी गुणों वाला सुपर मसाला है. हल्दी शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करती है जो प्लास्मोडियम संक्रमण के कारण बनते हैं. हल्दी मलेरिया के परजीवी को मारने में भी मदद करती है. एंटीइंफ्लेमेटरी गुण मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं, जो मलेरिया में आम हैं.मलेरिया से निपटने केलिए रोज रात को एक गिलास हल्दी वाला दूध पिएं. हल्दी मलेरिया के परजीवी को मारने में मदद करती है. यह मलेरिया के लक्षणों से निपटने के लिए सबसे अच्छे मसालों में से एक है

4. दालचीनी दालचीनी में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सिडेंट और एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं जो मुख्य रूप से मलेरिया के लक्षणों से निपटने में मदद करते हैं. स्वादिष्ट मिश्रण बनाने के लिए आप गर्म पानी में दालचीनी और कालीमिर्च पाउडर दोनों मिला सकते हैं. आप स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें थोड़ा सा शहद मिला सकते हैं और इसे दिन में कम से कम दो बार पी सकते हैं. यह पेय बुखार, सिरदर्द और दस्त जैसे सबसे आम लक्षणों से लड़ने में मदद करेगा. यह मलेरिया में मौजूद दर्द और अन्य लक्षणों को भी कम करता है.दालचीनी भारतीय रसोई में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले मसालों में से एक है.

5. मेथी दाना मलेरिया से संक्रमित लोगों में तेज बुखार के कारण भी शरीर में कमजोरी आ जाती है. इस घातक बीमारी से होने वाली कमजोरी को कम करने के लिए मेथी के बीज सबसे अच्छे घरेलू उपचारों में से एक माना जाता है. ये आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर औरमलेरिया के परजीवियों को मारकर मलेरिया के ठीक होने की प्रक्रिया को बढ़ाते हैं.आप मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगोकर रख सकते हैं और सुबह खाली पेट पानी पी सकते हैं.

टेलीप्रॉम्पटर क्या होता है? पीएम नरेंद्र मोदी की वजह से ये चर्चा मे क्यों आया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दावोस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टेलीप्रॉम्प्टर की मदद से अपना भाषण दे रहे थे। लेकिन भाषण के बीच मे ही टेलीप्रॉम्प्टर मे कुछ टेक्निकल दिक्कत आ गई जिसके कारण प्रधानमंत्री को लगभग 56 सेकेंड तक अपना भाषण बीच मे ही रोकना पड़ा। उसके बाद से ही टेलीप्रॉम्पटर चर्चा का विषय बना हुआ है।

टेलीप्रॉम्पटर क्या होता है ?

टेलीप्रॉम्प्टर को प्रॉम्प्टर या ऑटोक्यू के नाम से भी जानते हैं। ये के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होती है। जिसकी मदद से आप कोई भी सक्रिप्ट , पेज , बुक एक डिजिटल स्क्रीन के जरिए आसानी से पढ़ सकते है।आसान भाषा मे कहे तो टेलीप्रॉम्प्टर एक ऐसी स्क्रीन वाली डिवाइस होती है। जिस पर कोई भी व्यक्ति कही पर भी बोलते समय बिना रुके सक्रिप्ट को देखकर पढ़ सकता है। अगर आप न्यूज देखते है तो नोटिस भी किया होगा कि न्यूज एंकर नॉन स्टॉप न्यूज पढ़ते रहते है। वो भी बिना किसी पेपर सक्रिप्ट या लैपटॉप की स्क्रीन पर देखे बिना बहुत से लोगों को यही लगता है कि ये पहले न्यूज को याद करते होंगे। उसके बाद बिना देखे न्यूज पढ़ते होंगे। लेकिन ऐसा नहीं

है। इनके सामने केमेरे के नीचे एक टेलीप्रॉम्प्टर लगा होता है। जिसमे किताब की तरह न्यूज लिखी हुई होती है वे बस उसी को देखकर नॉन स्टॉप न्यूज पढ़ते है।

टेक्स्ट की स्पीड कितनी होगी इसे कंट्रोल करने के लिए न्यूज रीडर के हाथ मे एक छोटा सा रिमोट होता है। जिसकी मदद से वे स्पीड को अपने अनुसार एडजस्ट कर सकते है। मार्केट ने कई प्रकार के टेलीप्रॉम्प्टर मौजूद है जिसमे हाथ से कंट्रोल करने से लेकर पाँव तक कंट्रोल करने के ऑप्शन तक मौजूद है। टेलीप्रॉम्प्टर का सबसे ज्यादा इस्तेमाल मीडिया इंडस्ट्री , नेताओं के भाषण , फिल्म इंडस्ट्री में किया जाता है।

टेलीप्रॉम्पटर कैसे काम करता है ?

टेलीप्रॉम्पटर एक एलईडी की तरह स्क्रीन इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होती है। जिसमे रिफ्लेक्शन मिरर के जरिए टेक्स्ट दिखाई देते है । टेलीप्रॉम्पटर में दो बीम-स्प्लिटर ग्लास होते हैं। प्रत्येक ग्लास को 45 डिग्री कोण पर एक छोटे स्टैंड पर रखा जाता है। जिसमे मॉनिटर की मदद से टेक्स्ट को ग्लास पर दिखाया जाता है । कोई भी दूर बैठा रीडर उस टेक्स्ट को आसानी से पढ़ सकता है। ग्लास के निचले हिस्से पर एक फ्लैट एलसीडी मॉनिटर लगा होता है। जिसका मुंह छत की और करके रखा जाता है। जो एक साथ लगभग 56 से 72 पीटी फॉन्ट में शब्दों शब्दों को स्क्रीन पर दिखाता है। इसके पीछे की और कैमरा लगा होता है।

टेलीप्रॉम्पटर और कमरे के पीछे एक कंट्रोलर होता है । जो टेलीप्रॉम्पटर पर दिखाए जाने वाले टेक्स्ट की स्पीड को कंट्रोल करता है। यानि कि जैसे जैसे रीडर टेक्स्ट को पढ़ता जाता है। कंट्रोलर उस टेक्स्ट को स्क्रॉल करके आगे बढ़ाता रहता है। लेकिन ज्यादातर न्यूज एंकर टेक्स्ट की स्पीड को खुद ही कंट्रोल करते है स्पीड को कंट्रोल करने के लिए उनके हाथ मे एक छोटा सा रिमोट होता है। जबकि नेता भाषण के दौरान कंट्रोलर की मदद लेते है।

अगस्त में छुट्टियां ही छुट्टियां, पूरे 9 दिन रहेगी बच्चों की मौज

यूज़ वायरस नेटवर्क

ऑनलाइन क्लासेज के बाद बहुत से बच्चो का स्कूल जाने का बिलकुल मन नहीं करता होगा । इसका ये मतलब नहीं उनको पढ़ना पसंद नहीं, दरसल बच्चो के आलस का इन दिनो बस एक ही कारण सामने नज़र आ रहा है और वो है उन्हें ₹सुबह जल्दी उठना पड़ता हैर इसलिए वह ऑनलाइन क्लासेज को मिस कर रहे हैं। इस बीच हम लाए हे बच्चो के लिए खुशखबरी। ..... अगस्त में बच्चों के स्कूल में पड़ने वाली हैं छुट्टियां ही छुट्टियां वो भी पूरे 9 दिन की , तो अभी जान लीजिये कब-कब है छुट्टियां -

बारिश का मौसम भी शुरू हो चुका है। ऐसे में मौसम में थोड़ी राहत देखने को मिल जाती है। जिससे ठन्डे मौसम में सुबह देर तक सोने का अलग ही मज़ा होता है। दरअसल अगले महीने स्कूल में बच्चों को लंबी छुट्टियां मिलने वाली हैं। तो चलिए न्यूज़ वायरस बता रहा है कि कब-कब है छुट्टियों, देखिए अगस्त में छुट्टियों की लिस्ट

ये रही अगस्त में छुट्टियों की लिस्ट –

07 अगस्त 2022 — वैसे इस दिन तो रविवार है पर है तो छुट्टी का दिन इसलिए इस दिन को आप छुट्टियों की लिस्ट में जरूर जोड़े

11 अगस्त 2022 — इस दिन है रक्षा बंधन भाई-बहन का त्योहार है

13 अगस्त 2022 — इस दिन है दूसरा शनिवार एक और छुट्टी का दिन

14 अगस्त 2022 — हर बच्चे और काम करने वालों की ये एक ख्वाहिश, ₹काश दो दिन की छुट्टी होती तो लीजिए

13 अगस्त को दूसरा शनिवार की छुट्टी और

14 अगस्त को रविवार की छुट्टी

15 अगस्त 2022 इस दिन है स्वतंत्रता दिवस

18 अगस्त 2022 — इस दिन है जन्माष्टमी

21 अगस्त 2022 — इस दिन है रविवार

28 अगस्त 2022 — इस दिन है रविवार

31 अगस्त 2022 —इस दिन है गणेश चतुर्थी

संपादकीय

भारत के सच्चे मित्र थे शिंजो आबे

याद नहीं आता कि हालिया दशकों में कब सारा भारत किसी विदेशी राजनेता के दिवंगत होने पर इतना शोकाकुल हुआ हो, जैसा जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की दिल दहलाने वाली मौत पर हुआ. भारत उन्हें अपना सच्चा मित्र यूं ही नहीं मानता था. आबे पहली बार 2006 में जापान के प्रधानमंत्री बने थे. वह तब भारत आये थे और उन्होंने संसद को संबोधित भी किया था. अपने वक्तव्य में उन्होंने भारत-जापान मैत्री पर विस्तार से अपने विचार रखे थे. आबे दूसरी बार प्रधानमंत्री बने 2012 में. फिर वह तीन बार भारत के दौरे पर आये. उनसे अधिक बार कोई भी जापानी प्रधानमंत्री भारत नहीं आया. उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद से जापानी कंपनियों का भारत में निवेश भी बढ़ने लगा. भारत शिंजो आबे में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी का अक्स देखने लगा था. कैनेडी भी भारत के मित्र थे. अजीब इत्तिफाक है कि कैनेडी की भी हत्या हुई थी. निश्चित रूप से शिंजो आबे के आकस्मिक निधन से भारत-जापान संबंधों का एक मजबूत स्तंभ गिर गया है. उन्हें भारत ने भी दिल खोल कर प्रेम-सम्मान दिया. शिंजो आबे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धर्मनगरी बनारस गये थे. दोनों नेताओं ने दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में भाग लिया था. आबे भारत से महात्मा बुद्ध के चलते अपने को भावनात्मक स्तर पर करीब पाते थे और गंगा सिर्फ एक नदी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की वाहक भी है. गंगा के रूप में एक बड़ा आयाम जोड़ कर दोनों देशों के आपसी रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में यह ठोस पहल थी. वाराणसी में गंगा आरती में शरीक होना हो या बुलेट ट्रेन में प्रधानमंत्री मोदी को भारत के भविष्य की झलक दिखाना हो, आबे वह चेहरा रहे हैं, जिसमें भारतीयों को उम्मीद नजर आती थी. उन्होंने न सिर्फ जापान को आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों से भी निबटने का आधार भी तैयार किया. याद करें 1962 के भारत-चीन युद्ध को. तब कैनेडी भारत के साथ खड़े थे. भारत के आग्रह पर उन्होंने तब चीन को कायदे से बता दिया था कि यदि उसने युद्ध विराम नहीं किया, तो अमेरिका युद्ध में कूद पड़ेगा. उसके बाद चीन ने युद्ध विराम किया था और विवादित क्षेत्र से अपनी वापसी की घोषणा भी की थी. जहां शिंजो आबे बार-बार भारत आते रहे, वहीं कैनेडी राष्ट्रपति के रूप में एक बार भी भारत नहीं आ सके. उन्हें 1964 के शुरू में भारत आना था, लेकिन उससे पहले ही उनकी हत्या हो गयी थी. वह 1955 में भारत घूमने के लिए आये थे. शिंजो आबे के दौर में ही बुलेट ट्रेन को भारत में चलाने पर समझौता हुआ. बुलेट ट्रेन परियोजना विकसित भारत के एक सपने को साकार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होने जा रही है. इस परियोजना को अंजाम तक पहुंचाने के लिए जापान के साथ जो करार हुआ है, वह भी उत्साहजनक है. दूसरे देशों को जिस दर पर जापान ऋण देता है, उससे काफी कम दर पर भारत को इस परियोजना के लिए जरूरी राशि मुहैया करा रहा है.

कांवड़िये ध्यान से पढ़ लें ये खबर, इसके बिना उत्तराखंड में प्रवेश नहीं मिलेगा

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिछले दो वर्षों में यह पहली बार है जब कोविड -19 महामारी पर अंकुश लगाने के बाद से पूर्ण कांवड़ यात्रा हो रही है। उत्तराखंड सरकार ने राज्य में प्रवेश करने से पहले तीर्थयात्रियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया है। कावड़ यात्रा 14 जुलाई से शुरू होने वाली है।

कांवड़ यात्रा के लिए हरिद्वार पहुंचने वाले कांवड़ियों पर नजर रखने के उद्देश्य से उत्तराखंड सरकार ने राज्य में प्रवेश करने से पहले तीर्थयात्रियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया है। राज्य पुलिस मुख्यालय अधिकारी ने कहा, ₹चार धाम यात्रा की तर्ज पर यह पंजीकरण कदम, कांवड़ियों के लिए एक परेशानी मुक्त प्रवास सुनिश्चित करेगा,₹ उन्होंने कहा, ₹अभी के लिए कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी, अगर कोई विफल रहता है₹ रजिस्टर करें₹।

उत्तराखंड पुलिस ने एक पोर्टल ₹https://policecitizenportal.uk.gov.in/kavad₹ भी लॉन्च किया, जहां कांवड़ियां पंजीकरण करा सकती हैं और अपना विवरण भर सकती हैं। पुलिस ने कहा कि राज्य के प्रवेश बिंदुओं पर सभी तीर्थयात्रियों के पंजीकरण दस्तावेज और वैध आईडी की जांच की जाएगी। यात्रा से पहले आईटीबीपी और बीएसएफ सहित अर्धसैनिक बलों की कई कंपनियां हरिद्वार पहुंच रही हैं और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

पुलिस महानिदेशक, अशोक कुमार ने कहा, "हाल ही में यूपी, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के अधिकारियों के साथ उनके पुलिस विभागों के साथ-साथ रेलवे सुरक्षा बल और आईबी के साथ एक बैठक हुई थी। हमने कांवड़ क्षेत्र को 12 सुपर जोन, 31 जोन और 133 सेक्टरों में बांटा है जहां करीब 9,000 से 10,000 पुलिसकर्मी तैनात होंगे. ₹ राज्य सरकार के अधिकारियों ने पहले कहा था कि उन्हें हरिद्वार-ऋषिकेश मार्ग पर वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान लगभग चार करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है। यात्रा का समापन 26 जुलाई को होगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के विज़न को साकार करने में जुटे है दून मेडिकल कालेज के डॉक्टर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। दून मेडिकल कालेज में पीजी के विकल्प बढने वाले हैं। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की टीम ने सोमवार को यहां नेत्र रोग विभाग में पीजी की तीन सीट के लिए निरीक्षण किया। कुछ दिन पहले कालेज को फारेंसिक मेडिसिन की तीन सीट की मान्यता मिल चुकी है। इसके अलावा मेडिसिन, हड्डी रोग व टीबी एंड चेस्ट के लिए एनएमसी निरीक्षण कर चुकी है।

दरअसल, दून व दून महिला अस्पताल को करीब सात साल पहले मेडिकल कालेज में तब्दील किया गया था। एमबीबीएस की 150 सीट के साथ कालेज की शुरुआत हुई। इसी के साथ यहा सुविधाएं व संसाधन भी बढ़ते रहे। दो साल पहले यहा पीजी शुरू हुई, पर क्लीनिकल विषयों में विकल्प सीमित थे। पर अब विकल्प बढ़ते जा रहे हैं। नेत्र रोग विभाग में पीजी के लिए एनएमसी की टीम ने यहां निरीक्षण किया है। नेत्र रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. यूसूफ रिजवी ने टीम को तमाम जानकारी दी।प्राचार्य डा. आशुतोष सयाना के अनुसार, कालेज में अभी तक पीजी की 31 सीट थी। फारेंसिक मेडिसिन की तीन सीट के साथ यह संख्या बढ़कर 34 हो गई है। मेडिसिन, , हड्डी रोग, नेत्र रोग व टीबी एंड टेस्ट में पीजी की मान्यता मिलने से संख्या 45 हो जाएगी। इससे पीजी में युवाओं के लिए विकल्प बढ़ेंगे। वहीं, भविष्य में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। बताया कि अगले सत्र में बाल रोग व मनोरोग की भी चार-चार सीट के लिए आवेदन किया जाएगा।

डॉ आशुतोष सयाना प्रिंसिपल,राजकीय दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून

- पीजी के विकल्प बढने वाले हैं।
- दून मेडिकल कालेज में बढ़ेंगे पीजी के विकल्प,
- नेत्र रोग में पीजी के लिए एनएमसी की टीम ने किया निरीक्षण
- फारेंसिक मेडिसिन की तीन सीट की हाल ही में मिली है मान्यता,
- मेडिसिन, हड्डी रोग व टीबी एंड चेस्ट के लिए एनएमसी कर चुकी है निरीक्षण

डीएम आर राजेश कुमार के हथौड़ा से ताबड़तोड़ ढह रहा गैर कानूनी अतिक्रमण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अवैध निर्माण कार्यों पर बीते लम्बे समय से धामी सरकार के निर्देश पर देहरादून प्रशासन का हथौड़ा ताबड़तोड़ कार्यवाही कर रहा है। आपको बता दें कि देहरादून के जिलाधिकारी डॉ आर राजेश कुमार ने पुरे प्रदेश में एक नज़ीर पेश करते हुए बेहद कम समय में अवैध निर्माण कार्यों का ध्वस्तीकरण करवाते हुए एक पारदर्शी और प्रभावी सन्देश दिया है जिसका असर अब जिले में अवैध अतिक्रमण करने वालों के अंदर बढ़ते खौफ को देखते हुए समझा जा सकता है।

इसके पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने आदेश में साफ़ कहा है कि अवैध अतिक्रमण, एवं खनन पर कड़ी

कार्रवाई करने में कोई ढिलाई या कोताही न बरती जाए। यही वजह है कि बीते लम्बे समय से देहरादून जनपद के चारो तरफ हथौड़े की गूँज सुनाई दे रहीं है। लोग या तो स्वयं से अपने अवैध निर्माण को हटा रहे हैं या जिला प्रशासन की टीम उसको साफ़ करने पहुँच रही है। यही हाल अवैध खनन में लिप्त गैर कानूनी तत्वों पर हो रही सख्त कार्यवाही पर भी नज़र आ रही है। जिलाधिकारी डॉ आर राजेश कुमार ने सभी उप जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण, अवैध खनन, भण्डारण एवं अवैध परिवहन की सूचनाओं पर नियमित कार्यवाही करते हुए सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। मसूरी में उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में अतिक्रमण पर कार्यवाही के पांचवा दिन राजस्व, लोनिवि, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं नगर पालिका परिषद की संयुक्त टीम द्वारा लंडोर बाजार आदि स्थलों में अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण किया जा रहा है। साथ ही संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण को चिन्हिकरण करने का कार्य गतिमान है।

उप जिलाधिकारी मसूरी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिलाधिकारी द्वारा सड़कों एवं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाये जाने हेतु दिए गए निर्देशों के अनुपालन में मसूरी में लगातार सरकारी भूमि पर अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए हटाने एवं ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही अतिक्रमण चिन्हत कर सम्बन्धित को अतिक्रमण हटाने के नोटिस दिए जा रहे है, जिन्हें जल्द ही हटाया जाएगा तथा यह अभियान अभी लगभग 15 दिन और चलेगा।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए अतिक्रमण मुक्त किए जाने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने कहा कि शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाए जाने की कार्यवाही आगे भी गतिमान रहेगी। जिस तरह से देहरादून के डीएम का प्रशासनिक हथोड़ा गैर कानूनी निर्माण को साफ़ कर रहा है ऐसे में न्यूज़ वायरस भी आपसे अपील करता है कि सीएम धामी और डीएम डॉ राजेश कुमार की इस सख्ती से सबक लेते हुए प्रशासन का सहयोग कीजिये और स्वयं अतिक्रम को हटाकर एक बेहतर और जागरूक नागरिक होने का परिचय दीजिये।

जीजा की आंखों के सामने साले को बहा ले गया सैलाब

देहरादून। सहसपुर में बारिश युवक के लिए काल बन गई। सैलाब के बीच फंसी कार में सवार तीनों लोगों को लगा कि अब बचना नामुमकिन है तभी राजकुमार ने जीजा और दोस्त के मना करने के बावजूद कार के बाहर छलांग लगा दी। उसे आभास भी नहीं था कि पानी का तेज बहाव उसे बहा ले जाएगा।

इधर, कार के भीतर सवार लोग घुप्प अंधेरे में राजकुमार के सकुशल सुरक्षित ठिकाने पर पहुंचने और खुद के बचने की दुआ मांग रहे थे। इस बीच मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने रस्सी की मदद से दोनों को सकुशल बचा लिया, लेकिन राजकुमार का पता नहीं चला। सुबह उसका शव घटना स्थल के थोड़ी दूरी पर बरामद हुआ।

घुप्प अंधेरे के बीच सर्च लाइट की रोशनी जब कार पर पड़ी तो कार में सवार मुकेश और अनिल को लगा कि उनकी दुआ कबूल हो गई अब उन्हें बचा लिया जाएगा। इधर, सर्च लाइट की रोशनी में कार में फंसी जिंदगियों को बचाने का अभियान जब शुरू किया गया तो किसी को नहीं पता था कि कार में कितने लोग सवार हैं। थाना पुलिस, एसडीआरएफ और फायर सर्विस के जवानों ने मौके पर पहुंचते ही मोर्चा संभाल लिया। रपटे में पानी आने के कारण कई वाहन जाम में फंसे थे।

इन वाहनों में सवार लोग भी सैलाब के बीच फंसी कार पर नजर रखे हुए थे। इन्हीं में से किसी ने कार के फंसे होने की सूचना पुलिस को दी थी। रस्सियों के सहारे किसी तरह जवान कार तक पहुंचे तो देखा कि दो लोग सैलाब के बीच जिंदगी के लिए मौत से जूझ रहे थे।

पीआरडी जवानों का मामला लेकर मुख्य सचिव से मिले सूर्यकान्त धस्माना

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना प्रतिनिधिमंडल के साथ मिले मुख्य सचिव से

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एसडीआरएफ में पिछले दो वर्षों से कार्यरत 62 पीआरडी जवानों के वेतन व ड्यूटी का मामला आज प्रदेश के मुख्य सचिव एसएस संधू के पास पहुंच गया। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना आज पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के साथ सचिवालय स्थित मुख्य सचिव के कार्यालय पहुंचे व उनको पीआरडी के जवानों की व्यथा बताते हुए तत्काल कार्यवाही की मांग की।

सूर्यकान्त धस्माना ने मुख्य सचिव से कहा कि युवा कल्याण विभाग के अधीन पीआरडी के माध्यम से विभिन्न विभागों में जवानों की तैनाती की जाती है। वर्ष 2020 में कोविड ड्यूटी में 62 जवानों की तैनाती पीआरडी के माध्यम से एसडीआरएफ में की गयी थी । यह 62 जवान तब से निरंतर एसडीआरएफ में अपना योगदान दे रहे थे व इनको एसडीआरएफ के माध्यम से ही वेतन भुगतान हो रहा था। अप्रैल 2022 से इन 62 जवानों को वेतन भुगतान नहीं हुआ। तीन महीनों तक लगातार वेतन न मिलने के कारण परेशान ये जवान पिछले सप्ताह मेरे पास आये अपनी समस्या को लेकर। मैंने इनके संबंध में पीआरडी व एसडीआरएफ के अधिकारियों से वार्ता की तो पता चला कि इनकी सेवा वृद्धि के लिए शासन के पास प्रस्ताव लंबित है इस कारण वेतन भुगतान नहीं हो पा रहा। धस्माना ने सीएस संधू से कहा कि ये सभी जवान अल्प वेतन भोगी 15 से 17 हज़ार रुपए मासिक वेतन पाने वाले हैं , तीन महीने तक वेतन न मिलने से अधिकांश के घरों की स्थिति दयनीय बनी हुई है।

अब इनको एसडीआरएफ में ड्यूटी पर आने से भी मना कर दिया गया है जबकि एसडीआरएफ द्वारा पीआरडी से और जवानों की तैनाती के लिए डिमांड भेजी गई है। उन्होंने मुख्य सचिव से कहा कि आप इन 62 जवानों के वेतन भुगतान के लिए व इनकी एसडीआरएफ में पुनः तैनाती के लिए संबंधित विभाग व अधिकारियों को निर्देशित करने का कष्ट करें। मुख्य सचिव ने कहा कि वे शीघ्र इस पूरे प्रकरण की जानकारी ले कर अविलंब कार्यवाही करेंगे। कांग्रेस नेता सूर्यकान्त धस्माना के साथ प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजेन्द्र शाह व अनुज दत्त शर्मा प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहे।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा